पत्रिका

पुलिस ने किया नकली यूरिया डीजल फैक्टरी का भंडाफोड़, ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर हो रही थी पैकिंग

फैक्टरी से बड़ी मात्रा में अलग-अलग ऑयल कंपनियों की खाली-भरी बाल्टियां जब्त

सागर. अवैध शराब की सूचना पर थाने से निकली मोतीनगर पुलिस ने एक अवैध यूरिया डीजल फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। मुखबिर की सूचना पर जब पुलिस छोटा करीला में संचालित फैक्टरी पहुंची, तो पता चला वहां पर नकली यूरिया डीजल तैयार कर उन्हें ब्रांडेड ऑयल कंपनियों के नाम पर पैक किया जा रहा है और महंगे दामों पर बाजार में खपाया जा रहा है। मौके पर मिले संत रविदास वार्ड निवासी कृष्ण कुमार उर्फ मुकेश पुत्र घनश्याम रावत 35 साल ने खुद को फैक्टरी का संचालक बताया। पुलिस ने कार्रवार्ड करते हुए फैक्टरी में मिले सामान व ऑयल तैयार करने की सामग्री जब्त करते हुए आरोपी को थाने ले जाकर धोखाधड़ी का मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

फैक्टरी का कोई भी दस्तावेज नहीं मिला

मोतीनगर थाना के उप निरीक्षक लखन डाबर ने बताया कि पुलिस ने जब फैक्टरी की तलाशी ली, तो अंदर डीइएफ (डीजल एग्जास्ट फ्लूड) की बड़ी मात्रा में खाली व भरी बाल्टियां मिलीं। जिन पर सात अलग-अलग ऑयल कंपनियों के नाम लिखे हुए थे। इसके अलावा 2 पानी की टंकी, एक टैंक, 6-7 टंकियों में यूरिया मिला पानी और यूरियां की बोरियां मिलीं। मौके पर मौजूद व्यक्ति संत रविदास वार्ड निवासी 35 वर्षीय कृष्णकुमार उर्फ मुकेश पुत्र घनश्याम रावत ने खुद को फैक्टरी का संचालक बताया, लेकिन वह फैक्टरी के संबंध में लायसेंस व किसी प्रकार की अनुमति संबंधी दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा सका। पुलिस के अनुसार यह एक नए प्रकार का ईधन है, जो नए मॉडल के वाहनों में उपयोग किया जाता है।

ऑयल कंपनियों की बाल्टियां जब्त

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 20 भरी हुई बाल्टियां, 409 खाली बाल्टियां, यूरिया की 250 खाली बोरियां, 12 भरी बोरियां, 500-500 लीटर क्षमता की दो टंकियां, 200-200 लीटर क्षमता की पांच टंकिया, एक हजार लीटर का एक टैंक के अलावा एक बैरल पंप, चुंगी, पांच-पांच लीटर की कुप्पी आदि जब्त की हैं। यूरिया से भरी टंकियों को लाने की व्यवस्था न होने पर वीडियोग्राफी कर फैक्टरी में ही छोड़ दिया गया है।

पहले नकली ऑयल बनाता था

पुलिस के अनुसार अवैध फैक्टरी करीब पांच साल से चल रही है। आरोपी इसमें पहले ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर नकली ऑयल की पैकिंग करता था। इसके बाद करीब एक साल से वह यूरिया डीजल बना रहा है। पुलिस ने फैक्टरी के संबंध में ऑयल कंपनियों को सूचना दी है, कंपनियों द्वारा जब्त यूरिया डीजल की जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर मामले में धाराओं का इजाफा किया जाएगा।

Source: https://www.patrika.com/crime-news/crime-18889732